गोपाल राजू की चर्चित पुस्तक,
''सौभाग्य दायक तंत्र मंत्र और टोटके''
का संक्षिप्त सार–संक्षेप

गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
अ.प्रा. राजपत्रित अधिकारी
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की–247667 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल : 09760111555
साइट : **www.astrotantra4u.com**

धन प्रदायक चमत्कारी सिक्का

सनातन धर्म में दीपक प्रज्जवलित करके पूजा करने का विधान प्रचलित है। अपनी–अपनी सामर्थ्य के अनुसार व्यक्ति घी, तेल, तिल आदि का दीपक जलाकर ध्यान–पूजा करते हैं। दीपक से अपने इष्ट मंत्र सिद्धि के प्रयोग मैं विशेष अवसरों पर, विशेषकर दीपावली को काल रात्रि में साधकों को करवाता आ रहा हूँ। उर्ध्वमुखी दीपक की लौ में व्यक्ति की भावना दृढ़ बनती है और उसी भाव से वह तदन्तर उर्ध्वगति में लीन होता जाता है। अग्निरूपी उर्ध्वमुखी लौ सूर्य का अंश है और सूर्य का ध्यान मात्र ही धीरे–धीरे हमें आत्म–सात की अनुभूति करवाता है। हमें अपने उद्‌गम स्थल श्रीमन्नारायण के सानिध्य में लाता है और नारायण का सानिध्य हमें मिल गया तो फिर वैभव लक्ष्मी कहाँ दूर रहीं।

आवश्यकता है दीपक के प्रयोग, दीपक के द्वारा अपने इष्टदेव की आरती उतारना तथा उसमें प्रयोग किए जा रहे घी, तेल, बत्ती के ठीक–ठीक ज्ञान की। अपने

इष्टदेव के बीज मंत्र को देव के सम्मुख आरती से काल्पनिक रूप स लिखना आरती द्वारा देव को प्रसन्न करने का सर्वश्रेष्ठ उपक्रम है।

लक्ष्मी स्वरूप एकाक्षरी **'ह्रीं'** बीज मंत्र की महिमा अपरम्पार है। लक्ष्मी जी को घी तथा लाल रंग के कच्चे सूत की बत्ती से आरती करना बहुत शुभ है। यदि श्वेतार्क के फल से निकलने वाली रूई से बनी बत्ती और गोघृत से लक्ष्मी जी की आरती उतारी जाए तो यह सर्वश्रेष्ठ है। आरती में नौ बार उनके सम्मुख 'ह्रीं' की काल्पनिक आकृति लिखें, चंचला लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

धन–सम्पदा की कामना रखने वाले साधक यह विधि अपनाएं, उन्हें और भी आनन्द की अनुभूति होगी। जिस भी देव की आकृति उतार रह हैं उनका वह बीज मंत्र प्रयोग करें और जितनी संख्या उनकी हो उतनी ही बार आरती उतारें। उदाहरण के लिए माना आप विष्णु जी की पूजा–अर्चना कर उनकी आरती उतार रहे हैं। विष्णु जी का द्वादशात्मा माना गया है इसलिए उनकी आरती बारह बार घुमाएं। सूर्यदेव को सप्तवर्णिय माना गया है इसलिए उनकी आरती को सात बार घुमाएं। यदि आप देवी का नवार्ण मंत्र जंप रहे हैं तो आप नौ बार आरती उतारें। यदि आप आरती की संख्या निश्चित नहीं कर पा रहे हैं तो आप प्रत्येक के लिए सात बार प्रणव ऊँ की आकृति बनाते हुए आरती घुमा सकते हैं।

यह उपाय एकाक्षरी मंत्र ''ह्रीं'' पर आधारित है। धनतेरस, रवि पुष्य तथा गुरू पुष्य आदि शुभ मुहूर्त पर इसको किया जा सकता है। इस मुर्हूत में एक चांदी का सिक्का उपलब्ध करें। इसे धोकर चमका लें। गोमूत्र से इसका शोधन करें। फिर दूध मिश्रित गंगाजल से इसको स्नान कराए। इस सिक्के को लाल कपड़े पर स्थापित करें और रक्त चन्दन से इस पर 'ह्रीं' बीज अंकित करें। लक्ष्मी प्रदत्त कोई भी मंत्र चुन लें। लाल बत्ती तथा तिल के तेल वाले दीपक से इस सिक्के को लक्ष्मी का प्रतीक मानकर नौ बार अपने चुने हुए मंत्र अथवा लक्ष्मी प्रदत्त मंत्र 'ऊँ श्री लक्ष्मी नारायणाय नमः' जपकर ऊँ की आकृति में आरती उतारा करें।

लोगों के पास कभी–कभी कोई दुर्लभ सिक्के होते हैं परन्तु वह उन्हें चैतन्य कर उसका लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे सिक्कों को भी इस प्रयोग द्वारा जागृत कर लक्ष्मी की कृपा प्राप्त की जा सकती है।

इधर एक दशक से इन्दिरा गांधी के एक रुपए के सिक्के का, जिसमें उन्होंने रुद्राक्ष की माला पहन रखी है, बहुत प्रचार हुआ। महाराष्ट्र के जालना शहर में प्रवास के दौरान मुझे श्री सालुंके, मैकेनिकल इन्जीनियर मिले। उनको मैंने इस सिक्के का शोधन कर उपाय करवाया, उन्हें बहुत लाभ मिला।

लम्बे समय तक मैं इस तथा इस जैसे अनेक दुर्लभ सिक्कों के उपाय लोगों पर करवाता रहा हूँ। लोगों को बहुत लाभ पहुँचा है। अपनी खोज में अन्ततः मैंने पाया कि जिस इन्दिरा गांधी के सिक्के पर मैं प्रयोग करवा रहा हूँ वह नकली है। हैड तो उसका वास्तविक है परन्तु टल में कारीगरी की गयी है। महाराष्ट्र प्रवास के मध्य एक राजनेता मुझसे मिलने आए। उन्होंने इस सिक्के की गाथा मुझे बताई कि कैसे यह सिक्का अल्पसंख्या में तांत्रिक अनुष्ठान द्वारा नासिक में बनवाया गया था। उनकों मैंने इस सिक्के का शोधन करवाकर कुछ उपाय भी करवाए। उन्हें चमत्कारी रूप से लाभ मिला। अपना नाम तथा पता उन्होंने गुप्त रखने का मुझसे वचन लिया। मैं वचनबद्ध भी हूँ। सिक्के की वास्तविकता की क्या गाथा है यह अलग विषय है। परन्तु यह सत्य है कि इन सिक्को में कुछ चमत्कार है अवश्य।

आज ही अपने घर के खजाने में तलाशें। देखें, कही कोई दुर्लभ सिक्का तो उसम नहों छुपा हुआ है। यदि है तो उसका शोधन कर उसे चैतन्य करने के उपक्रम करें। क्या पता आपके भाग्य का खजाना ही वह सिक्का खोल दे।

गोपाल राजू (वैज्ञानिक)
अ.प्रा. राजपत्रित अधिकारी
ज्योतिष अनुसंधान केन्द्र
30, सिविल लाईन्स
रूड़की-247667 (उत्तराखण्ड)
मोबाइल : 09760111555
साइट : **www.astrotantra4u.com**